

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में 2022 और उसके बाद के आईटी ट्रेंड और एप्लाइड पब्लिक key क्रिप्टोग्राफी में एडवांसमेंट पर टॉक्स का आयोजन

कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग, इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने प्रतिष्ठित टेक्नोक्रेट्स, प्रोफेसर और वैज्ञानिकों द्वारा विस्तार व्याख्यान श्रृंखला के क्रम में आज दो टॉक्स का आयोजन किया।

प्रोफेसर बशीर आलम, अध्यक्ष, कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग ने वक्ताओं- श्री सैयद समीर, निदेशक, नैनो कर्नेल प्राइवेट लिमिटेड, टेक्सास, यूएसए और डॉ. मोहम्मद मिस्बाहुद्दीन, साइंटिस्ट एफ, एसोसिएट डायरेक्टर और ग्रुप हेड-एसीटीएस और बीडी डिवीजन, सीडीएसी बैंगलोर, भारत का परिचय कराया।

जामिया की फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कार्यवाहक डीन प्रो. एम.टी. बेग, ने वक्ताओं का स्वागत किया।

श्री सैयद समीर ने 2022 और उसके बाद के स्किलिंग रुझानों पर प्रकाश डाला और कहा कि हाइपर ऑटोमेशन 2022 में 586 अरब डॉलर के बाजार तक पहुंच जाएगा और साथ ही अधिकांश ऑफिस प्रोडक्टिविटी टूल्स 2025 तक पूरी तरह से कमोडिटाइज़्ड हो जाएंगे। प्रमुख प्रभावित क्षेत्र: इन्वोइसिंग, प्रोक्यूर टू पे, सेल्स मैनेजमेंट, ईआरपी डेटा एंट्री, एचआर, डेटा केरीज, एकाउंटिंग डिपार्टमेंट होंगे और एआई, आरपीए उपकरण, लो कोड/नो कोड ऐप आदि के स्किल की आवश्यकता होगी।

श्री समीर ने आगे कहा कि सभी व्यवसायों में से 75% के करीब 2030 तक एलसी/एनसी एप्लिकेशन डेवलपमेंट को अपनाएंगे और 2030 तक 187 बिलियन डॉलर की एपोर्च्युनिटी होगी, हालांकि वर्तमान में यह 13.2 बिलियन डॉलर है जो 2025 में बढ़कर 50 बिलियन डॉलर हो सकती है। उनकी राय में प्रमुख विकास क्षेत्र बैक-ऑफिस डेटाबेस एप्लिकेशन, वेब एप्लिकेशन, PHP, Java, Python, Node js, स्ट्रॉंग UX/UI अनुभव कौशल की आवश्यकता वाले मोबाइल ऐप्स हैं।

उन्होंने XAI, SECOPS, डिजिटल ट्रिन्स, इंटरनेट ऑफ बिहेवियर, एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (API) इंजीनियर्स के बारे में भी बात की। उनके अनुसार एआई (एक्सएआई) का बाजार वर्तमान में \$3.35 बिलियन है और 2026 में भी \$22 बिलियन तक पहुंच जाएगा और एपीआई इंजीनियर्स के पास सॉफ्टवेयर डेवलपर्स की तुलना में जॉब्स की 22% अधिक संभावना है।

डॉ. मोहम्मद मिस्बाहुद्दीन, Chair, IEEE P2989 मल्टी-सर्वर एनवायरनमेंट में प्रमाणीकरण के लिए मानक का कार्यकारी समूह ने पब्लिक key क्रिप्टोग्राफी, डिजिटल सिग्नेचर, ई- सिग्नेचर, सी-साइन, IDoT, के लिए डिजिटल सर्टिफिकेट आदि में हाल की प्रगति पर प्रकाश डाला।

उन्होंने एप्लाइड पीकेसी के क्षेत्र में और अधिक नवीन अनुसंधान के लिए भविष्य की दिशा के बारे में भी विस्तार से बताया।

संकाय सदस्य, कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के एम.टेक (कंप्यूटर इंजीनियरिंग), पीएचडी (कंप्यूटर इंजीनियरिंग) के छात्र और डॉ. इजहर-उद्दीन के साथ जामिया के गणित विभाग के पीएचडी छात्रों ने भाग लिया और वक्ताओं के साथ उत्साहपूर्वक बातचीत की।

जामिया के कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष, प्रोफेसर बशीर आलम के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जनसंपर्क कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया